**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

**PUNJAB KESARI COM**

# प्रबंधन और अनुसंधान क्षेत्र में औद्योगिक परामर्श सेवाओं पर काम करने की आवश्यकता

**फरीदाबाद** ,राकेश देव (पंजाब केसरी): अकादमिक.औद्योगिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे सी बोस विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने अकादमिक-औद्योगिक सम्मेलन-2019 का आयोजन किया। इस बैठक में प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न उद्योगों के 19 प्रतिनिधियों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए सम्मेलन में प्रो सुरेश बेदी और प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो आशुतोष निगम ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उद्योग प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया। प्रो सुरेश बेदी ने सम्मेलन के उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी।अपने अध्यक्षीय भाषण में, कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए जहां विश्वविद्यालय उद्योग को परामर्श सहायता प्रदान कर सकता हैं। बैठक के दौरानए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने संकाय सदस्यों को औद्योगिक भ्रमण करने और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जिसमें विश्वविद्यालय परामर्श सेवाएं प्रदान कर सकता है। उन्होंने संकाय सदस्यों को पेशेवर रूप से विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विशेषज्ञों ने विभागीय संकाय को कंपनियों से इनपुट लेने, विशेष रूप से गैर.महानगरों में उन क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव भी दिया जिनमें प्रबंधन विकास कार्यक्रम शुरू किये जा सकते हैं। बैठक में विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों से बातचीत की। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अपने स्टार्ट.अप स्थापित करने और पसंदीदा नौकरी के लिए खुद को तैयार करने के जरूरी टिप्स दिये।

पंजाब केसरी Mon, 18 November 2019
mpaper.punjabkesari.com/c/45880067

**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

## NAVBHARAT TIMES

# छात्रों को स्टार्ट-अप के दिए टिप्स

**एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने अकादमिक-औद्योगिक सम्मेलन 2019 का आयोजन किया। इस दौरान आयोजित बैठक में प्रबंधन के क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न उद्योगों के 19 प्रतिनिधियों और स्टाफ के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने स्टाफ के सदस्यों को औद्योगिक भ्रमण करने और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जिसमें यूनिवर्सिटी परामर्श सेवाएं प्रदान कर सकती है। विशेषज्ञों ने छात्रों को अपने स्टार्ट-अप स्थापित करने और पसंदीदा नौकरी के लिए खुद को तैयार करने के जरूरी टिप्स दिए।

**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

**DAINIK JAGRAN**

# छुट्टी के दिन रविवार को पुस्तक मेले में दिखी रौनक

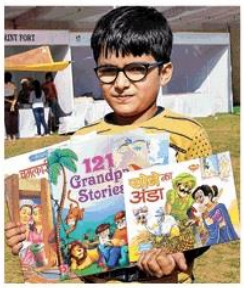

बाल साहित्य दिखाता छात्र गंतव्य • जागरण

अनिल बेताब • फरीदाबाद

फरीदाबाद साहित्यिक एवं सांस्कृतिक केंद्र की ओर से जेसी बोस वाइएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित जश्न-ए-फरीदाबाद के दौरान पुस्तक मेला आकर्षण का केंद्र रहा। रविवार की छुट्टी के चलते खासी रौनक रही। देश धर्म, समाज तथा महापुरुषों के जीवन से जुड़ी पुस्तकों के अलावा बाल साहित्य की खरीदारी के प्रति लोगों ने रुचि दिखाई।

कई लोग परिवार सहित पुस्तक मेले में आए थे। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद की ओर से भी यहां पुस्तकों का स्टाल लगा था। इसके अलावा प्रिंट फोर्ट बुक हाउस के स्टाल पर भी खूब रौनक रही। जश्ने-फरीदाबाद में लाइफ मूवमेंट इंटरटेनर से जुड़े कलाकारों के साथ मिलकर वाइएमसीए यूनिवर्सिटी के गायक-गायकों ने खूबसूरत नगमों की प्रस्तुति दी। सोनू कालड़ा, हरीश कपूर, सुनील दीक्षित, कैलाश पात्रे के साथ विदान, पल्लवी, मनीष, मिलन सिंह, इशांत तथा समृद्धि ने हिंदी, पंजाबी तथा राजस्थानी लोकगीत से रंग जमाया।

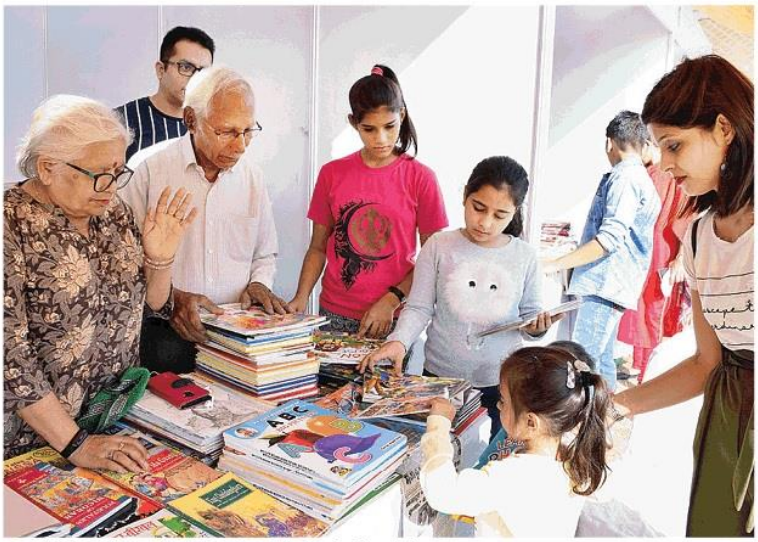

पुस्तक मेले में प्रिंटफोर्ट बुक हाउस के स्टॉल पर पुस्तकों की खरीदारी करते लोग • जागरण

सोशल मीडिया से हमें बहुत कुछ जानने को मिलता है, लेकिन जो विश्वसनीयता पुस्तकों की नहीं है, उसका जवाब नहीं। पौराणिक, सांस्कृतिक ओर ऐतिहासिक जानकारी देने के मामले में पुस्तकें उपयोगी साबित होती हैं

**गार्गी पाराशर**, अध्यापिका, लिम्याज स्कूल

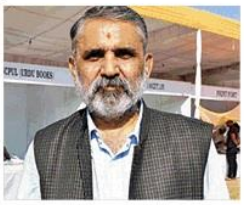

तेज रफ्तार के इस दौर में आज पुस्तकों की अहमियत बढ़ गई है। सामाजिक और साहित्यिक संस्थाओं को साहित्यिक चेतना के लिए ऐसे कार्यक्रम करने चाहिए। पुस्तक मेले के आयोजन के लिए टीम को बधाई।

**अश्विनी त्रिखा**, अधिवक्ता

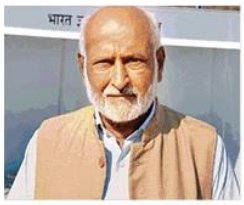

आज जिस तरह प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे में हर क्षेत्र का ज्ञान होना चाहिए। बच्चों के लिए सिर्फ पाठ्यक्रम ही पर्याप्त नहीं है। सामान्य ज्ञान पाने के लिए पाठ्यक्रम से अलग हटकर पुस्तकें पढ़नी चाहिए।

**विशंबर भाटिया**

मैं प्रेरक पुस्तकें पढ़ना पसंद करती हूं। पाठ्यक्रम से अलावा अगर हम महापुरुषों के जीवन से जुड़ी पुस्तकें पढ़ते हैं, तो इससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

**साक्षी**, छात्रा

पुस्तक मेला कहीं भी लगता है, मैं हमेशा अपने बच्चों के लिए जानकारी परक और ज्ञान बढ़ाने की पुस्तकें खरीदता हूं।

**संदीप सहगल**, सीए

पुस्तक हमारी दोस्त हैं। मैं समझती हूं कि बड़ों के लिए ही नहीं, बच्चों के लिए भी अच्छी पुस्तकें खरीदनी चाहिए

**इतिश्री सहगल**, सेक्टर-आठ

**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

**DAINIK JAGRAN**

# इंटर्नशिप की बजाय कंपनियों से जुड़ें विद्यार्थी : प्रो. दिनेश

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: जेसी बोस विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में अकादमिक औद्योगिक सम्मेलन-2019 का आयोजन किया गया। सम्मेलन के माध्यम से अकादमिक-औद्योगिक को बढ़ावा देना है। सम्मेलन में विभिन्न उद्योगों के 19 प्रतिनिधियों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन की शुरूआत प्रो. सुरेश बेदी और प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष निगम द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने की।

कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा जहां विश्वविद्यालय उद्योग को परामर्श सहायता प्रदान कर सकता हैं। कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने संकाय सदस्यों को औद्योगिक भ्रमण करने और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जिसमें विश्वविद्यालय परामर्श सेवाएं प्रदान कर सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि प्रबंधन के विद्यार्थियों को समर इंटर्नशिप की बजाय दाखिले बाद से ही कंपनियों के साथ जोड़ने की आवश्यकता है ताकि उन्हें दो साल के पूरे कार्यकाल के दौरान औद्योगिक अनुभव मिले। इसके अलावा, विभाग को उद्योग के साथ परस्पर हितों के दृष्टिगत इंटर्नशिप को लेकर नियमित बातचीत करनी चाहिए। औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए बैठक में सुझाव दिया गया कि विद्यार्थियों को ऐसे भ्रमण पर छोटे समूहों में भेजा जाए ताकि संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में ऐसे भ्रमण के अपेक्षित परिणाम हासिल हो सकें। सम्मेलन में नवनीत गुंबर, डॉ. पूर्णिमा राव, सतीश मोहन, सक्षम शर्मा, नीलम सिंह, सुभाष जगोता, उमेश गुलाटी, संजय सिंघल, राकेश सेठी, राम, भूपेंद्र सिंह, अविनाश सलूजा उपस्थित थे।

**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

**AMAR UJALA**

न्यूज डायरी

## विवि में दाखिले के साथ ही उद्योगों से जुड़ें विद्यार्थी

**फरीदाबाद।** अकादमिक-औद्योगिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय में सम्मेलन आयोजित किया गया। विभिन्न उद्योगों के 19 प्रतिनिधियों और संकाय सदस्य इस दौरान मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने औद्योगिक भ्रमण के साथ ऐसे क्षेत्रों की पहचान का सुझाव दिया जिसमें विवि परामर्श शामिल हो। इसमें संकाय सदस्यों को पेशेवर के रुप में विकसित करने, कंपनियों से इनपुट लेने पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का औद्योगिक अनुभव बढ़ाने के लिए दाखिले बाद से ही कंपनियों के साथ जुड़ना सार्थक बताया। विभागों का संबंधित उद्योग या फर्म के साथ इंटर्नशिप संबंद्धी नियमित बातचीत पर जोर दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। प्रो. सुरेश बेदी ने सम्मेलन के उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर नवनीत गुंबर, डॉ. पूर्णिमा राव, सतीश मोहन, सक्षम शर्मा, नीलम सिंह, संजय सिंघल, सीएनबीसी नेटवर्क-18, राकेश सेठी, चेयरमैन, भूपेंद्र सिंह, अविनाश सलूजा, सीमेंस, एसएन बंसल, डीजीएम मार्केटिंग, नॉर बरमेज, उमेश श्रीवास्तव, सीजीएम, इंडियन ऑयल आरएंडडी, राज भाटिया, बोनी पॉलिमर (पी) लिमिटेड, मंदीप सिंह, डीजीएम, भारती एयरटेल, जया, आईएमएसएमई इंडिया, रमन त्रिखा, बॉलीवुड सेलिब्रिटी और गौरव सहगल, आरबीएल बैंक मौजूद रहे। ब्यूरो

**NEWS CLIPPING: 18.11.2019**

**DAINIK BHASKAR**

### प्रबंधन व अनुसंधान क्षेत्र में औद्योगिक परामर्श पर काम करने की आवश्यकता: प्रो. दिनेश कुमार

# सम्मेलन में स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर दिया गया बल

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में अकादमिक-औद्योगिक सम्मेलन-2019 का आयोजन किया गया। इसमें प्रबंधन क्षेत्रों में काम करने वाले विभिन्न उद्योगों के 19 प्रतिनिधियों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान कुलपति ने प्रबंधन, अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में अकादमिक-औद्योगिक सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा जहां विश्वविद्यालय उद्योग को परामर्श सहायता प्रदान कर सकता है।

सम्मेलन में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने संकाय सदस्यों को औद्योगिक भ्रमण करने और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जिसमें विश्वविद्यालय परामर्श सेवाएं प्रदान कर सकता है। उन्होंने संकाय सदस्यों को पेशेवर रूप से विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विशेषज्ञों ने विभागीय संकाय को कंपनियों से इनपुट लेने विशेष रूप से गैर महानगरों में उन क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जिनमें प्रबंधन विकास कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। प्रो. दिनेश कुमार ने सम्मेलन में स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार करने पर बल दिया।

विशेषज्ञों ने कहा कि प्रबंधन के स्टूडेंट्स को समर इंटर्नशिप के बजाय दाखिले बाद से ही कंपनियों के साथ जोड़ने की आवश्यकता है ताकि उन्हें दो साल के पूरे कार्यकाल के दौरान औद्योगिक अनुभव मिल सके। इसके अलावा विभाग को उद्योग के साथ परस्पर हितों के दृष्टिगत इंटर्नशिप को लेकर नियमित बातचीत करनी चाहिए। औद्योगिक भ्रमण से स्टूडेंट्स के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए बैठक में सुझाव दिया गया कि स्टूडेंट्स को ऐसे भ्रमण पर छोटे समूहों में भेजा जाए ताकि संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में ऐसे भ्रमण के अपेक्षित परिणाम हासिल हो सकें।

**फरीदाबाद.** अकादमिक-औद्योगिक को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

इस अवसर पर विशेषज्ञों के सुझावों पर अमल करते हुए विभाग ने ऐसे अकादमिक-औद्योगिक सम्मेलन नियमित आधार पर आयोजित करने का निर्णय लिया। बैठक में विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और स्टूडेंट्स से बातचीत की। विशेषज्ञों ने स्टूडेंट्स को अपने स्टार्टअप स्थापित करने और पसंदीदा नौकरी के लिए खुद को तैयार करने के जरूरी टिप्स दिए। बैठक में विभिन्न प्रबंधन क्षेत्रों से नवनीत गुम्बर, डॉ. पूर्णिमा राव, सतीश मोहन, सक्षम शर्मा, नीलम सिंह, सुभाष जगोता, उमेश गुलाटी, संजय सिंघल, राकेश सेठी, भूपेंद्र सिंह, अविनाश सलूजा, एसएन बंसल, उमेश श्रीवास्तव, राज भाटिया, मंदीप सिंह, जया, रमन त्रिखा, गौरव सहगल आदि शामिल थे।